पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने उत्तराखण्ड महोत्सव का उद्घाटन किया

लखनऊः 31 मार्च, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज गोमती नदी तट पर स्थित गोविन्द बल्लभ पंत उपवन में उत्तराखण्ड महापरिषद द्वारा आयोजित 'उत्तराखण्ड महोत्सव' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्तराखण्ड महापरिषद के अध्यक्ष श्री मोहन सिंह बिष्ट ने राज्यपाल को अंग वस्त्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में श्री हरीश चन्द्र पंत महासचिव उत्तराखण्ड महापरिषद सहित अन्य पदाधिकारीगण व लखनऊ में रहने वाले उत्तराखण्ड के मूल निवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पर्वतीय क्षेत्र का गौरवशाली इतिहास रहा है। उत्तराखण्ड को अनेक नामों से पुकारा जाता है। इस भूमि को देवभूमि, स्वर्गभूमि, वीरभूमि आदि नामों से सम्बोधित किया जाता है। उत्तराखण्ड के लगभग हर परिवार से एक व्यक्ति भारतीय सेना में अपनी सेवायें दे रहा है। योग एवं आयुर्वेद की जानकारी उत्तराखण्ड में आसानी से मिलती है। उन्होंने कहा कि लखनऊ में रहकर भी उत्तराखण्ड से जुड़ाव प्रसन्नता की बात है।

श्री नाईक ने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि उत्तराखण्ड परिषद सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ पर्यावरण, शिक्षा, सामाजिक कुरीतियों जैसे अन्य सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी कर रहा है। सामाजिक काम में हाथ बटाना देशभक्ति के कार्य जैसा है। देश में विभिन्न भाषा और कलाओं को देखकर भारत की संस्कृति एवं महत्ता समझ में आती है। हर क्षेत्र की अपनी पहचान और विशेषता होती है। दिल्ली देश की राजनैतिक राजधानी है, मुंबई आर्थिक राजधानी है, बनारस सांस्कृतिक राजधानी है। उन्होंने कहा कि ठीक उसी प्रकार लखनऊ कला की राजधानी है। महोत्सव में उत्तराखण्ड महापरिषद के अध्यक्ष श्री मोहन सिंह बिष्ट ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखें। उद्घाटन सत्र के बाद महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये।

अंजुम/ललित/राजभवन (124/46)

बचाइये

SELFIE POINT
बचाइये

खण्ड महापरिषद द्वारा आयोजित

महापरिषद द्वारा आयोजित